दुनिया की भीषणतम औद्योगिक हादसे की 40वीं बरसी: भोपाल में इन्साफ की साझा लड़ाई में शामिल होने की गुजारिश

प्रिय मित्रों,

हम आपको भोपाल, मध्य प्रदेश से लिख रहे हैं, जहां विश्व इतिहास की दो सबसे भीषण औद्योगिक हादसे जारी हैं। पहला, 1984 का गैस हादसा , जिसमें अमेरिका की यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन के एक कीटनाशक कारखाने से 27 टन मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ, आज भी जारी है। उस काली रात के चार दशक बाद, गैस हादसे की वजह से असमय मरने वालों की संख्या आज 25,000 से अधिक हो गई है और गिनती जारी है। अनुमानत: 150,000 लोग, जिनमें से अधिकांश परित्यक्त कारखाने के आसपास रहते हैं, पुरानी बीमारियों से जूझ रहे हैं और गैस पीड़ितों में कैंसर और घातक गुर्दे की बीमारियाँ सामान्य आबादी से कई गुना ज़्यादा है। हादसे के बाद पैदा हुई पीढ़ी भी यूनियन कार्बाइड के ज़हर से प्रभावित है। शहर के अन्य निवासियों की तुलना में गैस पीड़ितों के बच्चों में जन्मजात विकृतियाँ, शारीरिक और मानसिक विकास में रुकावट और कई प्रकार की एलर्जी जैसे रोग कई गुना अधिक हैं।

पुराने भोपाल के बाहर के अधिकांश लोगों को इसकी जानकारी नहीं है कि गैस हादसे से पहले शुरू हुई दूसरी पर्यावरणीय हादसा आज लगातार जारी है। 1969 में कारखाने की स्थापना के बाद से, जहरीले रसायन भूजल में लगातार घुल रहे हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च, लखनऊ के 2018 के अध्ययन और उससे पहले की पंद्रह अन्य आधिकारिक और स्वतंत्र एजेंसियों के अध्ययन के आधार पर, हमें यह रिपोर्ट करते हुए खेद है, कि कारखाने के पास का लगभग 40 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र अत्याधिक खतरनाक रसायनों से दूषित हो गया है, जिनमें नौ "चिरजीवी रसायन" शामिल हैं। इस क्षेत्र में अब तक 200,000 से अधिक लोग रहते हैं, जिनमें से अधिकांश शहर के सबसे गरीब लोगों में से हैं।

पिछले चार दशकों में, भोपाल हादसे के मामले में आए कई बदलाव के वजह से इन्साफ और मुआवज़े का मसला और पेचीदा बन गया है । हादसे के बाद से हिन्दुस्तान से फरार यूनियन कार्बाइड कम्पनी को अमेरिका की डॉव केमिकल कंपनी ने खरीद लिया। इस कम्पनी का भारत के वर्तमान राजनैतिक शासकों से पुराना और करीबी रिश्ता है। इसी के वजह से आज डॉव केमिकल एक तरफ हिन्दुस्तान में अपना व्यापार बढ़ा रही है, तो दूसरी तरफ हादसे के आपराधिक मामले में भारतीय न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र को चुनौती दे रही है। पिछले दो दशकों से मध्य प्रदेश राज्य सरकार में भारतीय जनता पार्टी के शासन से डाव कम्पनी को विशेष लाभ हुआ है। गैस हादसे पर स्मारक बनाने की राज्य सरकार की योजनाओं में कारखाने की प्रदूषित परिसर में कंक्रीट डालना शामिल है। जिससे भूजल प्रदूषण की निगरानी और जाँच असम्भव नहीं बहुत मुश्किल हो जाएगा। भोपाल गैस काण्ड के मामले में डॉव केमिकल को उसके कानूनी ज़िम्मेदारी से बचाने में केंद्र और राज्य की सरकारें जितनी उत्सुक हैं, भोपाल के गैस पीड़ितों की बदहाली के प्रति वे उतने ही उदासीन हैं। वैसे तो भोपाल के गैस पीड़ितों को शुरू से ही सरकारी उदासीनता का सामना करना पड़ा है, लेकिन आधे से ज़्यादा पीड़ितों के मुसलमान और हिन्दुओं में 80% निचली जातियों से होने के कारण भाजपा के राज में पीड़ितों को सरकारी तौर पर बिल्कुल नज़रअंदाज़ कर दिया गया है ।

पिछले 20 सालों से संयुक्त रूप से यूनियन कार्बाइड और डॉव केमिकल के कॉरपोरेट अपराधों और सरकारी उदासीनता से जूझ रहे गैस पीड़ितों के हम पाँच संगठन, गैस हादसे की 40 वीं वर्षगांठ पर भोपाल में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए आपका समर्थन माँगने के लिए यह पत्र लिख रहे हैं। इस पत्र के साथ हम 21 नवंबर से 4 दिसंबर, 2024 तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की सूची भी भेज रहे हैं। हमारी मौजूदा माँगों, जिनके लिए हम आपका समर्थन मांग रहे हैं, कि सूची भी संलग्न है। हम इस बात से वाकिफ हैं , कि आप में से अधिकांश भोपाल जैसे हादसे और कम्पनियों के अपराधों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। भोपाल में इन्साफ की लड़ाई हम सबकी लड़ाई है, आइए हम साथ लड़ें।

यूनियन कार्बाइड गैस हादसे की 40वीं बरसी पर आप हमारे साथ जुड़ें

1. **अपने स्थान पर पोस्टर प्रदर्शनी या मूवी स्क्रीनिंग का आयोजन करें**
2. **भोपाल के समर्थन में कोई कार्यक्रम और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें**
3. **भोपाल में होने वाले कार्यक्रमों में भाग ले**

हम चाहेंगे कि आप सभी भोपाल आकर कर कार्यक्रमों में शामिल हो पर हमारे पास यात्रा और आपको ठहराने के लिए कोई साधन उपलब्ध नहीं है, पर हम आपकी यात्रा और ठहरने में कम पैसे लगे उसके लिए विकल्प ढूंढने में आपकी मदद कर सकते है।

अगर आप अपने स्थान पर भोपाल के समर्थन के लिए कोई कार्यक्रम आयोजित करना चाहते है, या फिर हमारे साथ भोपाल में जुड़ना चाहते है तो आपसे गुजारिश है कि इस फॉर्म को भर दे, ताकि हम आपकी सही तरीके से मदद कर पाए।

अगर आपके कोई सवाल हो तो कृपया रचना ढिंगरा से संपर्क करे: (rachnya@gmail.com, coordinator@bhopal.net; 9826167369)

आपके साथी

रशीदा बी, **भोपाल गैस पीड़ित** **स्टेशनरी कर्मचारी संघ**	**बालकृष्ण नामदेव,** **भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित** **पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा**	**नसरीन खान, नवाब खाँ,** **भोपाल गैस पीड़ित** **महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा**	**नौशीन खान** **डाव-कार्बाइड के** **खिलाफ बच्चे**	**रचना ढींगरा** **भोपाल ग्रुप फॉर** **इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन**

कार्यक्रम में शामिल होने या आयोजन करने के लिए 40वीं बरसी पर गैस पीड़ितों की माँगें

40वीं बरसी पर होने वाले कार्यक्रम

1. नवम्बर 21-दिसंबर 4, दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे (रोज)
JP नगर यूनियन कार्बाइड कारखाना रोड
गैस काण्ड और भूजल प्रदूषण के अलग अलग पहलुओं पर 14 दिवस की पोस्टर प्रदर्शनी, भोपाल स्मारक में रखी गई वस्तुओ की प्रदर्शनी, संगीतकारों, थिएटर कलाकारों, चित्रकारों, कवियों, शायरों, रैपर्स, और अन्य रचनाकारों का आह्वान करते हैं कि वह इसके जुड़े और बरसी को मनाने के लिए महत्पूर्ण योगदान दे

2. दिसंबर 2, दोपहर 12:30-1:30 बजे
नीलम पार्क
पुतला दहन और प्रदर्शन

3. दिसंबर 2, शाम 6 से 8 बजे
सिंधी कालोनी, बैरसिया रोड से गैस माता मूर्ती JP नगर तक
मशाल रैली और श्रद्धांजली सभा

4. दिसंबर 3, दोपहर 12 से 3 बजे
भारत टॉकिज अंडरब्रिज से बस स्टैंड होते हुए यूनियन कार्बाइड कारखाने तक
पैदल रैली, पुतला दहन और सार्वजनिक सभा

5. दिसंबर 4, सुबह 11 बजे
JP नगर, गैस माता मूर्ती
"शांत और धीमे भोपाल" पर चर्चा और पोस्टर प्रदर्शनी